वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष:6 | अंक: 79 | शुक्रवार 28 अगस्त 2026 | दैनिक ई-पेपर

Happy Raksha Bandhan

शाबाश इंडिया

रिश्तों की डोर, प्यार की ओर

आप सभी को रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड़, टोंक रोड़, जयपुर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के माय भारत खेलो इंडिया संवाद कार्यक्रम में वीसी के माध्यम से जुड़े मुख्यमंत्री

युवा शक्ति देश की सबसे बड़ी पूंजी: भजनलाल

राज्य सरकार ने किया युवाओं की हर अपेक्षा को पूरा

जयपुर. शाबाश इंडिया

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित माय भारत खेलो इंडिया संवाद कार्यक्रम को संबोधित किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जयपुर के सुबोध पीजी कॉलेज से इस कार्यक्रम से वीसी के माध्यम से जुड़े और प्रधानमंत्री का उद्बोधन सुना। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि युवा शक्ति भारत की सबसे बड़ी पूंजी है। युवाओं के धैर्य, आत्मविश्वास और अथक परिश्रम से ही विकसित भारत के संकल्प को साकार किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में खेलों के प्रति सकारात्मक वातावरण तैयार हुआ है और अब गांव-गांव की प्रतिभाओं को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मंच उपलब्ध हो रहा है। उन्होंने हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद को नमन करते हुए कहा कि राष्ट्रीय खेल दिवस उनके अद्वितीय योगदान और खेल के प्रति समर्पण को याद करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मानना है कि देश को पदक तभी मिलते हैं, जब देश में खेल संस्कृति का निर्माण होता है। प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व का ही परिणाम है कि आज भारत खेलों के क्षेत्र में आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है तथा खेल राष्ट्र निर्माण का सशक्त माध्यम बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा संशोधित खेलो इंडिया योजना में 36 हजार करोड़ रुपये के व्यय से खेलो को नई दिशा मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2014 के बाद देश में खेल परिदृश्य में बदलाव आया है। प्रधानमंत्री ने युवाओं को आगे बढ़ाने का काम किया है। स्वामी विवेकानन्द ने कहा था कि 21वीं सदी भारत की होगी। आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में यह साकार हो रहा है। भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और तीसरे स्थान की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का नाम रोशन करने वाले 186 खिलाड़ियों को सरकारी सेवाओं में नियुक्तियां प्रदान की गई हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने अब तक 3 हजार 540 खिलाड़ियों को लगभग 52 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन एवं सहायता राशि प्रदान की है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में पहली बार खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स-2025 का सफल आयोजन किया गया। सात शहरों में आयोजित इन खेलों में 222 विश्वविद्यालयों के लगभग 7 हजार खिलाड़ियों ने भाग लिया। वहीं खेलो इंडिया यूथ गेम्स-2025 में राजस्थान के खिलाड़ियों ने कुल 60 पदक जीतकर देश में तीसरा स्थान प्राप्त किया। मुख्यमंत्री ने हाल ही में आयोजित राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली अरुंधति चैधरी और कांस्य पदक जीतने वाले यशवीर सिंह की सराहना करते हुए कहा कि इन खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर प्रदेश का गौरव बढ़ाया है।

हर जिले में एक खेल को मिलेगा बढ़ावा

उन्होंने कहा कि राजस्थान युवा नीति-2026 के माध्यम से युवाओं के लिए शिक्षा, कौशल, खेल और नेतृत्व विकास के नए अवसर सृजित किए गए हैं। एक जिला-एक खेल के माध्यम से प्रत्येक जिले में एक खेल को प्रोत्साहित किया जा रहा है। ओलंपिक खेलों में पदक जीतने के लक्ष्य के साथ राजस्थान टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम शुरू की गई है। उन्होंने कहा कि विभागीय अकादमियों के खिलाड़ियों का मैस भत्ता 2 हजार 600 रुपये से बढ़ाकर 4 हजार रुपये प्रतिमाह किया गया है।

युवाओं का आगे बढ़ाने के लिए तत्पर राज्य सरकार

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार हर बजट में युवाओं की इच्छाओं और अपेक्षाओं का ध्यान रखते हुए उन्हें पूरा कर रही है। हमारी सरकार ने भर्ती परीक्षाओं के लिए कैलेण्डर जारी किया है। अब तक 410 परीक्षाएं बिना किसी पेपर लीक के आयोजित की जा चुकी हैं और 1 लाख 89 हजार से अधिक नियुक्तियां दी गई हैं। साथ ही, 1 लाख 22 हजार से अधिक पदों पर भर्ती प्रक्रिया जारी है और 70 हजार से अधिक पदों पर भर्ती की तैयारी चल रही है। वहीं, निजी क्षेत्र में भी साढ़े चार लाख से अधिक युवाओं को रोजगार मिला है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार युवाओं को आगे बढ़ाने में किसी प्रकार की कसर नहीं छोड़ रही है। उन्होंने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि युवा मेहनत और लगन के साथ अपनी रूचि के क्षेत्रों में आगे बढ़ें। डबल इंजन सरकार युवाओं को खेलों सहित हर क्षेत्र में आगे बढ़ने के पर्याप्त अवसर और सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सदैव तत्पर है।

खेलों के लिए राजस्थान में मजबूत हो रहा आधारभूत ढांचा

मुख्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन सरकार प्रदेश में खेलों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण, आधुनिक सुविधाएं, आर्थिक सुरक्षा और सम्मान के माध्यम से विश्वस्तरीय प्रतिस्पर्धाओं के लिए तैयार किया जा रहा है। राज्य में 50 खेलो इंडिया केन्द्र स्थापित किए गए हैं तथा सवाई मानसिंह स्टेडियम में एथलेटिक्स, तीरंदाजी और बॉक्सिंग के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस व जयपुर में लगभग 101 करोड़ रुपये की लागत से महाराणा प्रताप खेलकूद विश्वविद्यालय की स्थापना भी की जा रही है।

|| आचार्य श्री १०८ विद्यासागराय नमः||

|| देवाधिदेव श्री १००८ आदिनाथाय नमः||

|| मुनिपुंगव श्री १०८ सुधासागराय नमः||

संतशिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज

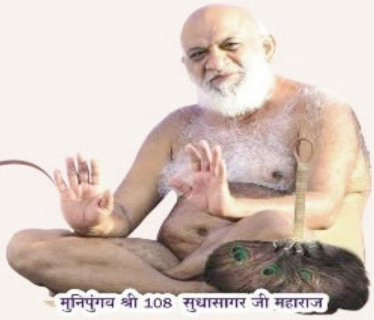

मुनिपुंगव श्री 108 सुधासागर जी महाराज

परम पूज्य आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज के आशीर्वाद एवं
परम पूज्य निर्यापक मुनि पुंगवश्री 108 सुधासागरजी महाराज
की प्रेरणा से संस्थापित

श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर, जयपुर

31वाँ स्थापना दिवस एवं नवीनीकृत कार्यालयों का लोकार्पण समारोह

दिनांक 1 सितम्बर, 2026-मंगलवार • समय : प्रातः 8.30 बजे
स्थान : विद्यासुधा सभा मण्डप, संस्थान परिसर, वीरोदय नगर, सांगानेर, जयपुर

समारोह के मुख्य अतिथि
समाजगौरव श्री अशोक जी सुशीला जी पाटनी
आर.के.मार्बल्स, मदनगंज-किशनगढ़ (राज.)

आप सादर आमंत्रित है।

•

श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान, सांगानेर, जयपुर (राज.)
प्रबन्धकारिणी समिति के पदाधिकारी एवं सदस्यगण

शिरोमणि संरक्षक/ परामर्शक	शिरोमणि संरक्षक / सह परामर्शक	अधिष्ठाता	निर्देशक
जैन गौरव श्री अशोक पाटनी मदनगंज-किशनगढ़	श्री तरुण काला मुम्बई	डॉ. जयकुमार जैन मुजफ्फरनगर	डॉ. शीतलचन्द जैन जयपुर

अध्यक्ष	कार्याध्यक्ष	मानद मंत्री	उपाध्यक्ष	उपाध्यक्ष	उपाध्यक्ष	उपाध्यक्ष	कोषाध्यक्ष	संयुक्त मंत्री
शांति कुमार जैन (Retd. IPS)	प्रमोद जैन पहाड़िया	सुरेश कुमार कासलीवाल	उत्तम कुमार पाण्ड्या	उत्तम चन्द पाटनी	महावीर प्रसाद बज	राकेश कुमार जैन	ऋषभ कुमार जैन	दर्शन कुमार जैन (बस्सी वाले)

कार्यकारिणी सदस्यगण
ज्ञानचन्द झांझरी | राकेश कुमार नेकीवाला | प्रदीप कुमार लुहाड़िया | चन्द्रमोहन पहाड़िया | शैलेन्द्र कुमार गोधा
मोहित कुमार राणा | अजय कुमार कटारिया | दिनेश कुमार जैन | संजय कुमार पाण्ड्या | विनोद छावड़ा 'मोनू'

विशेष आमंत्रित सदस्य
पं. अरुण कुमार जैन | विजय कुमार पहाड़िया
अजय गंगवाल | मुकेश कुमार बैनाड़ा | नरेन्द्र कुमार बज

सन्तश्री सुधासागर आवासीय कन्या महाविद्यालय समिति

परामर्शक	अध्यक्ष	अधिष्ठात्री	निर्देशिका	गौरवाध्यक्ष	अध्यक्ष	उपाध्यक्ष	उपाध्यक्ष
श्रीमती सुशीला पाटनी श्रीमती शान्ता पाटनी	श्रीमती रेणु राणा	श्रीमती शीला जैन (डोड्या)	डॉ. वन्दना जैन	श्रीमती तारिका पाटनी	श्रीमती रेणु राणा	श्रीमती नीना पहाड़िया	श्रीमती रजनी काला

रक्षाबंधन पर्व पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को बांधा रक्षा सूत्र

जयपुर. शाबाश इंडिया। मानसरोवर में आयोजित सांगानेर विधानसभा क्षेत्र के ''रक्षाबंधन पर्व–स्नेह का रक्षासूत्र'' कार्यक्रम में रक्षाबंधन का पर्व उत्साह और आत्मीयता के साथ मनाया गया। इस अवसर पर भाजपा महिला मोर्चा राजस्थान की निवर्तमान प्रदेश कोषाध्यक्ष शकुंतला विजयवर्गीय ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को रक्षा सूत्र बांधकर रक्षाबंधन पर्व की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। शकुंतला विजयवर्गीय ने कहा कि रक्षाबंधन केवल भाई-बहन के स्नेह का पर्व नहीं, बल्कि आपसी विश्वास, सुरक्षा, सम्मान और सामाजिक समरसता का प्रतीक भी है। उन्होंने कहा कि रक्षा सूत्र के माध्यम से प्रदेश की सुख-समृद्धि, शांति और निरंतर विकास की मंगलकामना की गई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी सभी बहनों एवं कार्यकर्ताओं को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में संगठन की मजबूती, जनसेवा और प्रदेश के विकास को लेकर कार्यकर्ताओं में उत्साह देखने को मिला।

प्राचीन गोगामेड़ी में जाहरवीर गोगाजी के वार्षिक मेले का ध्वजारोहण के साथ आगाज

नसीराबाद. शाबाश इंडिया। प्राचीन गोगामेड़ी नसीराबाद में जाहरवीर गोगाजी महाराज के वार्षिक मेले का शुभारंभ गुरुवार को विधिवत ध्वजारोहण के साथ हुआ। इस अवसर पर समाजबंधुओं और श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना कर गोगाजी महाराज से सुख-समृद्धि, खुशहाली एवं शांति की कामना की। ध्वजारोहण कार्यक्रम में निशान चौधरी, मंगलजी, शहर कोतवाल लालारामजी, भगत विक्रम, विकास समिति अध्यक्ष शिवचरण करोति, चरण दास गणेशजी, कैलाशजी, पुरणजी गोयर, पुजारी ओमप्रकाश करोति, राजेश, सोनू एवं हरिओमजी सहित बड़ी संख्या में समाजबंधु और श्रद्धालु मौजूद रहे। मेले के तहत 28 अगस्त को भव्य जागरण का आयोजन किया जाएगा, जिसमें श्रद्धालु देर रात तक जाहरवीर गोगाजी महाराज की भक्ति में लीन रहेंगे। वहीं, 29 अगस्त को वार्षिक मेला भरेगा। इसमें नसीराबाद सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। मेले को लेकर प्राचीन गोगामेड़ी परिसर में तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए आयोजन स्थल पर आवश्यक व्यवस्थाएं भी की गई हैं।

पुलिसकर्मी भाइयों की कलाई पर सजा रक्षा सूत्र, महिला सुरक्षा का लिया संकल्प

जयपुर. शाबाश इंडिया। रक्षाबंधन के अवसर पर लीनेस ब्लू डायमंड क्लब, जयपुर की ओर से अनूठी पहल करते हुए पुलिसकर्मी भाइयों के साथ रक्षाबंधन पर्व मनाया गया। क्लब की सदस्याओं ने मानसरोवर स्थित शिप्रा पथ पुलिस थाने पहुंचकर पुलिसकर्मियों की कलाई पर राखी बांधी और महिला सुरक्षा एवं सम्मान का संकल्प लिया। इस अवसर पर क्लब की पूर्व अध्यक्ष एवं लीनेस आर.एम.-1 स्वयंसिद्धा की प्रांतीय उपाध्यक्ष शकुंतला विजयवर्गीय ने कहा कि पुलिसकर्मी समाज के प्रहरी हैं, जो त्योहारों और विशेष अवसरों पर भी अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए आमजन की सुरक्षा में तत्पर रहते हैं। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मियों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने के उद्देश्य से क्लब की ओर से प्रतिवर्ष उनके साथ रक्षाबंधन मनाया जाता है। क्लब की सदस्याओं ने पुलिसकर्मियों को राखी बांधकर उनके स्वस्थ एवं सुखद जीवन की कामना की। पुलिसकर्मियों ने भी महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और सहायता के लिए सदैव तत्पर रहने का विश्वास दिलाया। कार्यक्रम में सचिव निर्मला विजयवर्गीय, कोषाध्यक्ष शशि गुप्ता, शालिनी कंवर, पुष्पा खंडेलवाल, विनीता शर्मा एवं वंदना मिश्रा सहित क्लब की सदस्याएं मौजूद रहीं। इस पहल के माध्यम से पुलिस और समाज के बीच आत्मीयता, विश्वास एवं भाईचारे का संदेश दिया गया।

वार्ड 31 से जयकुमार जैन ने दाखिल किया पहला नामांकन

वार्ड 31 से 40 तक के लिए बनाए गए नामांकन केंद्र पर सबसे पहले पहुंचे जयकुमार जैन

जयपुर. शाबाश इंडिया। नगर निगम जयपुर के चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया का गुरुवार, 27 अगस्त से आगाज हो गया। नामांकन के पहले ही दिन वार्ड 31 से कांग्रेस से जुड़े जयकुमार जैन ने अपना नामांकन दाखिल किया। खास बात यह रही कि वार्ड 31 से 40 तक के लिए बनाए गए नामांकन केंद्र पर जयकुमार जैन नामांकन दाखिल करने वाले पहले व्यक्ति रहे। जयकुमार जैन कांग्रेस की ओर से नामांकन दाखिल करने पहुंचे। हालांकि कांग्रेस पार्टी की ओर से अभी वार्ड 31 के लिए अधिकृत प्रत्याशी के नाम की आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है और न ही पार्टी की ओर से चुनाव चिह्न जारी किया गया है। इसके बावजूद जैन के नामांकन के साथ ही वार्ड में चुनावी गतिविधियां तेज हो गई हैं। नामांकन के दौरान उनके समर्थकों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह देखने को मिला। जैन ने वार्ड से अपनी दावेदारी पेश करते हुए चुनावी मैदान में सक्रियता बढ़ा दी है। आने वाले दिनों में वे मतदाताओं से संपर्क कर क्षेत्र की समस्याओं और विकास से जुड़े मुद्दों को लेकर अपना पक्ष रखने की तैयारी में हैं।

स्थानीय मुद्दे रहेंगे प्रमुख

वार्ड 31 में सड़क, सफाई, नालियों, पेयजल और स्ट्रीट लाइट सहित अन्य मूलभूत सुविधाएं चुनावी मुद्दों में प्रमुख रह सकती हैं। नामांकन प्रक्रिया शुरू होने के साथ ही संभावित प्रत्याशियों की सक्रियता भी बढ़ने लगी है। फिलहाल कांग्रेस की ओर से वार्ड 31 के अधिकृत प्रत्याशी और चुनाव चिह्न को लेकर आधिकारिक घोषणा का इंतजार है। ऐसे में जयकुमार जैन का नामांकन के पहले ही दिन दाखिल करना वार्ड की चुनावी सरगर्मी के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। टिकट की घोषणा के बाद वार्ड 31 की चुनावी तस्वीर और स्पष्ट होने की संभावना है।

राजनीति

आदिवासी छात्रों के हित में सही फैसला

जनप्रतिनिधि जब जनता के हितों को प्राथमिकता देते हुए उनके हक की आवाज उठाएं और विपक्ष अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए इंसाफ की लड़ाई में जनता के साथ खड़ा हो, तो हालात बदलने लगते हैं। हाल में इसके दो उदाहरण झारखंड और महाराष्ट्र से सामने आए हैं। दोनों मामलों में राहुल गांधी जनता और छात्रों की समस्याओं को लेकर सरकारों के समक्ष आवाज उठाते दिखे। झारखंड में कांग्रेस, झारखंड मुक्ति मोर्चा के साथ सत्ता में है। इसके बावजूद पेपर लीक और भर्ती में कथित गड़बड़ियों के खिलाफ 24 दिन तक चले छात्र आंदोलन के दौरान राहुल गांधी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पत्र लिखकर आंदोलनकारियों की मांगों पर ध्यान देने का आग्रह किया। इसके बाद आंदोलन समाप्त हुआ। अब महाराष्ट्र में भी उन्होंने भाजपा नीत सरकार के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को पत्र लिखकर आदिवासी छात्रावासों के नए नियमों को लेकर छात्रों की आपत्तियों से अवगत कराया। इसका सकारात्मक परिणाम सामने आया और सरकार ने संशोधित नियम वापस ले लिए। दरअसल, महाराष्ट्र सरकार ने 5 अगस्त को आदिवासी छात्रावासों के लिए नए नियम लागू किए थे, जिनमें छात्रावास में रहने की अधिकतम उम्र 26 वर्ष तय की गई थी। बाद में 14 अगस्त को इसे बढ़ाकर 30 वर्ष कर दिया गया। इसके विरोध में छात्रों ने आंदोलन शुरू कर दिया। पुणे के मांजरी स्थित आदिवासी छात्रावास में 13 अगस्त से आंदोलन शुरू हुआ। छात्रों ने धरना दिया और कुछ छात्र अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर भी बैठे। उनकी मांगों में उम्र सीमा समाप्त करना, छात्रावासों की सुविधाओं में सुधार और आदिवासी छात्रों से जुड़े पुराने मुद्दों का समाधान शामिल था। छात्रों का तर्क था कि 30 वर्ष की उम्र सीमा उन आदिवासी युवाओं के लिए बाधा बनेगी, जो आर्थिक और सामाजिक परिस्थितियों के कारण देर से पढ़ाई शुरू करते हैं या इस उम्र के बाद उच्च शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं। इस बीच गढ़चिरौली के एक आदिवासी छात्रावास से छात्राओं के साथ कथित रूप से अनुचित मेडिकल जांच का मामला भी सामने आया। पुणे में 22 अगस्त को आयोजित ''छात्रों की गूंज'' कार्यक्रम में एक छात्रा ने इस मुद्दे को राहुल गांधी के सामने उठाया। इसके बाद राहुल गांधी ने मुख्यमंत्री फडणवीस को पत्र लिखकर आदिवासी छात्रावासों और आश्रमशालाओं की स्थिति पर सवाल उठाए।

संपादकीय

नेपाल में हिमालयी आपदा

नेपाल-तिब्बत सीमा क्षेत्र में 26 अप्रैल की सुबह आई भयावह प्राकृतिक आपदा ने पूरे हिमालय को हिला दिया। ग्लेशियर के एक विशाल हिस्से के अचानक टूटने से मलबे और पानी की तेज बाढ़ ने रसुवा, नुवाकोट, धादिंग और चितवन समेत कई जिलों में भारी तबाही मचाई। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार 165 से अधिक लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि नेपाल और तिब्बत में करीब 1500 लोग लापता बताए जा रहे हैं। इनमें भारत, अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और कनाडा समेत कई देशों के नागरिक और पर्यटक भी शामिल हैं।

शुरूआत में इस घटना को भूकंप माना गया। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने पहले 4.4 तीव्रता के भूकंप की सूचना दी, लेकिन बाद में स्पष्ट किया कि दर्ज की गई भूकंपीय लहर ग्लेशियर के टूटने और उससे उत्पन्न मलबे के प्रवाह के कारण थी। करीब 5200 मीटर की ऊंचाई पर ग्लेशियर का बड़ा हिस्सा टूटकर घाटी में गिरा और लेन्दे नदी का प्रवाह बाधित हो गया। इसके बाद पानी, मिट्टी, चट्टान और बर्फ का विकराल प्रवाह भोटेकोशी और त्रिशूली नदियों के रास्ते नीचे की ओर बढ़ा। गांव, पुल, सड़कें और जलविद्युत परियोजनाएं देखते ही देखते इसकी चपेट में आ गईं। 19 मोटरेबल पुल क्षतिग्रस्त हुए, कई किलोमीटर सड़कें बह गईं और अनेक जलविद्युत परियोजनाएं प्रभावित हुईं। यह आपदा कोई अलग-थलग घटना नहीं है। नेपाल का हिमालयी क्षेत्र भूकंप, बाढ़, भूस्खलन और ग्लेशियल झील फटने से आने वाली बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं के लिहाज से बेहद संवेदनशील है। जलवायु परिवर्तन ने इस खतरे को और गंभीर बना दिया है। बढ़ते तापमान के कारण हिमालयी ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं और बर्फ की संरचना कमजोर हो रही है। वैज्ञानिकों के अनुसार इससे ग्लेशियरों के टूटने तथा अचानक मलबा और पानी नीचे आने जैसी घटनाओं का जोखिम बढ़ रहा है। रसुवा क्षेत्र में पहले भी बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं हुई हैं, लेकिन इस बार की तबाही का पैमाना असाधारण बताया जा रहा है। मानवीय त्रासदी के साथ इसके आर्थिक और सामाजिक प्रभाव भी गहरे होंगे। पर्यटन नेपाल की अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है। कैलाश मानसरोवर यात्रा और विभिन्न ट्रेकिंग मार्गों पर बड़ी संख्या में पर्यटक मौजूद थे। सैकड़ों परिवार अपने प्रियजनों की तलाश में परेशान हैं। नेपाली सेना, पुलिस और आपदा प्रबंधन दल राहत एवं बचाव अभियान में जुटे हैं। हेलीकॉप्टरों के माध्यम से प्रभावित क्षेत्रों में राहत सामग्री पहुंचाई जा रही है। भारत ने तत्काल सहायता उपलब्ध कराई है, जबकि चीन भी तिब्बत की ओर राहत कार्य चला रहा है। हालांकि तत्काल राहत जरूरी है, लेकिन इस त्रासदी से आगे की तैयारी पर भी गंभीरता से विचार करना होगा। नेपाल में चेतावनी प्रणालियों, नदी निगरानी और ग्लेशियर मॉनिटरिंग को मजबूत करने की आवश्यकता है। अंतर्राष्ट्रीय सहयोग से उपग्रह तस्वीरों और वैज्ञानिक अध्ययनों का अधिक उपयोग किया जाना चाहिए।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

उच्च शिक्षा का काला सच

डा. वरिंदर भाटिया

देश में शिक्षित बेरोजगारी बढ़ना गंभीर चिंता का विषय है। उच्च शिक्षा को कभी ज्ञान, व्यक्तित्व निर्माण और सामाजिक उत्थान का माध्यम माना जाता था, लेकिन आज यह तेजी से आर्थिक सुरक्षा और सामाजिक प्रतिष्ठा हासिल करने की दौड़ में बदलती जा रही है। परिवार अपनी जीवनभर की बचत, जमीन-जायदाद और पेंशन तक दांव पर लगाकर बच्चों को उच्च शिक्षा दिलाते हैं। वर्षों की मेहनत और लाखों रुपये खर्च करने के बाद जब युवा डिग्री लेकर रोजगार बाजार में पहुंचता है, तो उसे पता चलता है कि डिग्री और रोजगार के बीच गहरी खाई है। आज उच्च शिक्षा का विस्तार तो हुआ है, लेकिन गुणवत्ता और रोजगारपरकता पर सवाल कायम हैं। विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के अनेक पाठ्यक्रम तकनीकी बदलावों, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस और ऑटोमेशन जैसी नई जरूरतों के अनुरूप तेजी से नहीं बदल पाए हैं। कक्षाओं में समस्या समाधान, व्यावहारिक ज्ञान और रचनात्मक सोच के बजाय परीक्षा केंद्रित पढ़ाई पर जोर रहता है। नतीजा यह है कि प्रथम श्रेणी की डिग्री रखने वाला युवा भी कई बार सामान्य कार्यालयी कार्यों और व्यावहारिक परिस्थितियों से निपटने में असहज नजर आता है। उच्च शिक्षा का प्रवेश द्वार भी कोचिंग संस्कृति से प्रभावित हो चुका है। कोटा, दिल्ली, पटना, हैदराबाद और इंदौर जैसे शहरों में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी का बड़ा बाजार खड़ा हो गया है। कम उम्र के विद्यार्थियों पर लंबे अध्ययन घंटे, टेस्ट और सफलता की लगातार अपेक्षाएं मानसिक दबाव बढ़ाती हैं। नीट जैसी परीक्षाओं से जुड़ी प्रतिस्पर्धा ने इस समस्या को और उजागर किया है। सफलता के चमकते चेहरों के पीछे असफलता, अकेलेपन और पारिवारिक अपेक्षाओं से जूझते लाखों विद्यार्थी दिखाई नहीं देते। शिक्षा के बढ़ते बाजारीकरण ने मध्यमवर्गीय परिवारों पर आर्थिक बोझ भी बढ़ाया है। निजी संस्थानों के आकर्षक परिसर और सुविधाओं के बावजूद कई जगह शिक्षकों, प्रयोगशालाओं और शोध की गुणवत्ता अपेक्षाओं पर खरी नहीं उतरती। भारी फीस और शिक्षा ऋण के बाद यदि किसी युवा को कम वेतन वाली नौकरी मिलती है, तो उसके लिए आर्थिक आत्मनिर्भरता कठिन हो जाती है। यह स्थिति शिक्षा के सामाजिक उद्देश्य पर गंभीर सवाल खड़े करती है। किसी भी उच्च शिक्षण संस्थान की वास्तविक रीढ़ उसके शिक्षक और शोध की संस्कृति होती है। हजारों योग्य नेट-पीएचडी धारक शिक्षक यदि कम मानदेय पर अस्थायी या संविदा आधार पर काम करने को मजबूर हैं, तो उनसे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और शोध की अपेक्षा कैसे की जा सकती है? दूसरी ओर, फर्जी जर्नल्स, कट-कॉपी-पेस्ट शोध और भुगतान आधारित प्रकाशनों की शिकायतें अकादमिक व्यवस्था की विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचाती हैं। मौलिक शोध, नवाचार और पेटेंट को बढ़ावा देना समय की मांग है। इस संकट का समाधान केवल सरकारी नौकरियों की संख्या बढ़ाना नहीं है। हमें कौशल आधारित और रोजगारपरक शिक्षा को प्राथमिकता देनी होगी। कारपेंट्री, प्लंबिंग, डिजाइनिंग, कोडिंग, नर्सिंग और अन्य व्यावसायिक क्षेत्रों को सामाजिक सम्मान तथा बेहतर आर्थिक अवसरों से जोड़ना होगा। हर युवा के लिए पारंपरिक कॉलेज डिग्री ही सफलता का एकमात्र रास्ता नहीं हो सकती। उच्च शिक्षा को परीक्षा और डिग्री केंद्रित व्यवस्था से निकालकर ज्ञान, कौशल, अनुसंधान और आत्मनिर्भरता का माध्यम बनाना होगा। पाठ्यक्रमों को उद्योग की जरूरतों के अनुरूप लगातार अपडेट करना होगा।

जयकारों के बीच सवा लाख भोले बाबा को बिल्व पत्र अर्पित

जयपुर. शाबाश इंडिया। प्रदोष व सावन सेवा समिति के तत्वावधान में दिल्ली रोड स्थित बंगाली बाबा गणेश मंदिर परिसर में स्वयं आत्माराम जलेश्वर महादेव मंदिर में सवा लाख बिल्व पत्र अर्पण एवं भजन संध्या का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जयपुर के विभिन्न मंदिरों और मठों से संत-महंतों की मौजूदगी रही। भजन कलाकारों ने देर रात तक भक्ति रस की वर्षा की। मंदिर प्रांगण भोले बाबा के जयकारों से गूंजता रहा। कार्यक्रम में त्रिवेणी धाम के संत रिछपाल दासजी महाराज, श्री धना पीठाधीश्वर बजरंग देवाचार्य, महंत सियाराम दासजी महाराज गलता रोड, श्री अलबेली शरणजी महाराज सरस निकुंज, विधायक बालमुकुंद आचार्य, स्वामी राम रतन दासजी महाराज काठियावाड़ी, कमलेशजी महाराज सांगानेर, सुरेशजी महाराज घाट के बालाजी, अवधेश दासजी महाराज नंदपुरी, महंत सुदर्शन दासजी महाराज, महंत राजा रामदासजी महाराज, हरिशंकर वेदांती ढेहर के बालाजी एवं अमरनाथजी महाराज सहित अन्य संत-महंत मौजूद रहे। सर्व समाज हिंदू महासभा के संस्थापक चंद्र प्रकाश भाड़ेवाला, नितेश भाड़ेवाला एवं अविनाश भाड़ेवाला ने संत-महंतों का तिलक लगाकर एवं दुपट्टा ओढ़ाकर सम्मान किया। सर्व समाज हिंदू महासभा के संस्थापक भाड़ेवाला ने बताया कि कार्यक्रम में भोले बाबा का दूध, दही, भांग सहित विभिन्न द्रव्यों

से अभिषेक किया गया। इसके बाद सुबह से देर शाम तक भगवान शिव को बिल्व पत्र अर्पित करने का क्रम चलता रहा। पंडितों ने रुद्र पाठ करवाया। वहीं, श्रीकृष्ण लीला भक्तों के आकर्षण का केंद्र रही। भजन संध्या में भजन कलाकार हितेश डोवटीवाल, पवन शारा एवं सुरेश पांचाल सहित अन्य कलाकारों ने शिव भजनों की प्रस्तुतियां देकर श्रद्धालुओं को भक्तिरस में सराबोर किया। इस अवसर पर नीरज अग्रवाल, ब्रजकिशोर डाकवाला, सुनील विजय, प्रवीण एवं मुरली सहित सैकड़ों श्रद्धालुओं ने दर्शन किए और भजनामृत का आनंद लिया।

दिगंबर जैन पाठशाला डडूका में "राखी बनाओ, राखी सजाओ" प्रतियोगिता आयोजित

डडूका. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन पाठशाला डडूका में रक्षा सूत्र महोत्सव 2026 के तहत पाठशाला प्रेरक अजीत कोठिया के निर्देशन में बच्चों के लिए "राखी बनाओ, राखी सजाओ" प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में 11 बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बच्चे अपने घरों से राखी बनाने की सामग्री लेकर आए और पाठशाला में बैठकर राखियां बनाईं व उन्हें आकर्षक ढंग से सजाया। प्रतियोगिता के निर्णायक अशोक के. शाह, वस्तुपाल शाह एवं अशोक एम. शाह रहे। आयोजन की शुरूआत में पाठशाला परिवार की ओर से मंत्री रीतेश जे. शाह, प्रेरक अजीत कोठिया एवं धनपाल शाह ने सभी निर्णायकों का स्वागत किया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सिद्धम जैन, द्वितीय स्थान भाग्य पी. जैन और तृतीय स्थान संचित जैन ने प्राप्त किया। दिव्य जैन, रियल जैन, कल्प जैन, योग्य जैन, दक्ष जैन, कथनी जैन, दीक्षिता जैन एवं पुष्टि जैन को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किए गए। पुरस्कार अशोक एम. शाह के सौजन्य से दिए गए। आयोजन में अनिल कोठिया, निशा कोठिया, वस्तुपाल शाह, राजेश के. शाह, अंकित शाह, चिराग जैन, राजेंद्र कोठिया, अशोक एम. शाह, चारोली जैन, विमला जैन एवं प्रदीप सेठ सहित कई समाजजनों ने सहभागिता की और बच्चों को आशीर्वाद दिया।

संतोष में ही सच्चा आनंद, दिखावे और अहंकार में जीवन व्यर्थ: अंतर्मना आचार्य प्रसन्न सागरजी

पुष्पगिरी, सोनकच्छ. शाबाश इंडिया। ''संतोष है तो चार रोटी, दो कपड़े और झोपड़ी में भी आनंद है; नहीं तो चार गाड़ियां, दो बंगले और छप्पन पकवान मिलने के बाद भी जिंदगी में टेंशन ही टेंशन है।'' यह प्रेरणादायी संदेश व्रत चक्रवर्ती पट्टविभूषण अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज ने पुष्पगिरी तीर्थ पर गुरु भक्तों को संबोधित करते हुए दिया। परम पूज्य पुष्पगिरी तीर्थ प्रणेता गणाचार्य श्री पुष्पदंत सागरजी महाराज के सानिध्य में अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज एवं उपाध्याय श्री पीयूष सागरजी महाराज ससंघ वर्षायोग के लिए पुष्पगिरी तीर्थ पर विराजमान हैं। उनके सानिध्य में विभिन्न धार्मिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जा रहे हैं। इसी श्रृंखला में प्रवचन के दौरान आचार्य श्री ने एक शिक्षाप्रद प्रसंग सुनाया। उन्होंने बताया कि एक पढ़े-लिखे व्यक्ति को अपने ज्ञान और बोलने की क्षमता पर बहुत अहंकार था। एक दिन उसे नदी पार करनी थी, इसलिए वह नाव में बैठ गया। समय बिताने के लिए उसने नाविक से बातचीत शुरू की। उसने नाविक से पूछा कि क्या उसे कहानी या कविता आती है। नाविक ने विनम्रता से कहा, ''नहीं बाबू।''

इसके बाद उसने विज्ञान, ज्योतिष और इतिहास के बारे में पूछा। नाविक ने हर बार यही कहा कि उसे इन विषयों का ज्ञान नहीं है। यह सुनकर पढ़ा-लिखा व्यक्ति हंसते हुए बोला, ''तुम्हारी तो तीन-चौथाई जिंदगी बेकार चली गई।'' नाविक ने सहज भाव से कहा कि वह तो प्रतिदिन भगवान को धन्यवाद देता है कि उन्होंने उसे जीवन और मेहनत करने की शक्ति दी है। कुछ देर बाद नाव नदी के बीच मझधार में पहुंची। अचानक तेज तूफान आया और नाव बुरी तरह डगमगाने लगी। अब सवाल पूछने की बारी नाविक की थी। उसने पढ़े-लिखे व्यक्ति से पूछा, आपको तैरना आता है? उस व्यक्ति ने कहा, नहीं। नाविक बोला, तो आपकी पूरी जिंदगी पानी में गई! नाव डूबने वाली है। मैं तैरकर किनारे चला जाऊंगा। आचार्य श्री ने कहा कि इस प्रसंग का संदेश अत्यंत गहरा है। जीवन में केवल ज्ञान, बातें और दिखावा पर्याप्त नहीं हैं। ज्ञान का वास्तविक मूल्य तभी है, जब वह आचरण में दिखाई दे। उन्होंने कहा कि आज घर, परिवार, समाज और देश में बातों के बादशाहों की कमी नहीं है, कमी है तो आचरण करने वालों की। कहने का समय कम और दिखाने का समय अधिक हो गया है। स्वयं को सुधारने के बजाय दूसरों को सुधारने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। आचार्य श्री ने कहा कि मनुष्य ज्ञान में कितना ही आगे क्यों न बढ़ जाए, यदि उसके जीवन में विनम्रता, संतोष, संयम और सदाचार नहीं है तो वह ज्ञान उसके जीवन को सार्थक नहीं बना सकता। इसलिए कम बोलना, अधिक आचरण करना और स्वयं को निरंतर सुधारना ही सच्ची साधना है। उन्होंने गुरु भक्तों को संतोष, विनम्रता और सदाचार को जीवन में अपनाने का संदेश देते हुए कहा कि बाहरी सुख-सुविधाओं से नहीं, बल्कि मन के संतोष से वास्तविक आनंद प्राप्त होता है। प्रचार-प्रसार संयोजक नरेंद्र अजमेरा एवं पीयूष कासलीवाल, औरंगाबाद ने उक्त जानकारी दी।

गुरु वंदन एवं छात्र अभिनंदन कार्यक्रम में उत्कृष्ट गुरुजन एवं प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान

उदयपुर. शाबाश इंडिया। महाराणा मेवाड़ पब्लिक स्कूल में भारत विकास परिषद 'उदय शाखा के तत्वावधान में 'गुरु वंदन–छात्र अभिनंदन' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उत्कृष्ट अध्यापन कार्य करने वाले गुरुजनों एवं शैक्षणिक क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यालय की अध्यापिका श्रीमती वर्षा सरूपरिया एवं अध्यापक श्री मनोज कुमार आमेटा को उत्कृष्ट अध्यापन कार्य के लिए सम्मानित किया गया। वहीं, विद्यार्थियों सिद्धार्थ धांधरा, अमीना साबुनवाला, द्युति दीक्षित एवं विवान कपूर को शैक्षणिक क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। भारत विकास परिषद 'उदय' शाखा के अध्यक्ष शरद मंत्री, संयोजक महावीर प्रसाद जैन, सदस्या श्रीमती मधु मित्तल, श्रीमती स्नेहलता गांग एवं मीडिया प्रभारी सुनील गांग ने सम्मानित अध्यापकों एवं विद्यार्थियों को प्रशस्ति प्रदान कर उनका अभिनंदन किया। महाराणा मेवाड़ पब्लिक स्कूल एवं महाराणा मेवाड़ विद्या मंदिर के मानद निदेशक एस.के. शर्मा ने सम्मानित गुरुजनों एवं विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. राखी त्रिवेदी ने अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए सम्मानित अध्यापकों एवं विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मीडिया प्रभारी सुनील गांग ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों को संस्कार एवं नशामुक्ति की आजीवन शपथ दिलाई। कार्यक्रम का संयोजन विद्यालय के हिंदी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. लोरी पालीवाल ने किया।

306वां भक्तामर स्तोत्र पाठ एवं 48 मंडलीय दीप महाअर्चना अनुष्ठान रविवार को भट्टारक जी की नसिया में

जयपुर. शाबाश इंडिया

मानव एवं समाज सेवा के उद्देश्य से कार्यरत जैन सोशल ग्रुप्स इंटरनेशनल फेडरेशन, मुंबई के नॉर्दर्न रीजन के तत्वावधान में जैन सोशल ग्रुप हैरिटेज सिटी, जयपुर की ओर से रविवार, 30 अगस्त को भट्टारक जी की नसिया में 306वां भक्तामर स्तोत्र पाठ एवं 48 मंडलीय भक्तामर स्तोत्र आराधना तथा दीप महाअर्चना अनुष्ठान का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर विभिन्न जैन सोशल ग्रुप्स एवं संगिनी फोरम के दंपती सदस्य बड़ी संख्या में शामिल होंगे। जैन सोशल ग्रुप हैरिटेज सिटी के संस्थापक अध्यक्ष सुभाष बज एवं अध्यक्ष नितिन पाटनी ने बताया कि उपाध्याय उर्जयंत सागर मुनिराज के मंगल आशीर्वाद से यह विशाल अनुष्ठान रविवार शाम 7:15 बजे से भट्टारक जी की नसिया स्थित जैन भवन में आयोजित होगा। कार्यक्रम में समाजसेवी अतुल-शशि सोगाणी, आगरा वाले मुख्य अतिथि होंगे। समाजश्रेष्ठी अशोक-शकुंतला चांदवाड़ दीप प्रज्वलन करेंगे, जबकि रेणू एवं मोहित-नम्रता राणा मुख्य मंडल पर शास्त्र विराजमान करेंगे। समाजश्रेष्ठी सुधांशु-ऋतु कासलीवाल, उमराव मल-कुसुम संघी, महावीर-सुनिता कसेरा, सुभाष-किरण बडजात्या, मारोठ वाले तथा अनिल-उमा दीवान गौरवमयी अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे। जेएसजीआईएफ नॉर्दर्न रीजन के चेयरमैन राजीव पाटनी एवं सचिव रविंद्र बिलाला ने बताया कि कार्यक्रम के लिए सुभाष-शशि बज तथा महावीर-सुरीला सेठी को संयोजक बनाया गया है। संगीतकार गौरव जैन, कुचामन सिटी, अशोक गंगवाल एवं सुभाष बज भक्ति संगीत की प्रस्तुति देंगे।

पोस्टर का हुआ विमोचन

आयोजन के बहुरंगी पोस्टर का विमोचन उपाध्याय उर्जयंत सागर मुनिराज के सानिध्य में भट्टारक जी की नसिया में आयोजित सादे समारोह में किया गया। इस अवसर पर दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी के कार्यकारिणी सदस्य पी.के. जैन, जैन सोशल ग्रुप हैरिटेज सिटी के संस्थापक अध्यक्ष सुभाष बज, अध्यक्ष नितिन पाटनी, पूर्व अध्यक्ष महावीर सेठी, अरविंद पाटनी, पवन जैन, अनिल जैन एवं रमेश चंद्र बोहरा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

लायंस क्लब एलीट ने झुग्गी-झोपड़ी के बच्चों के साथ मनाया रक्षाबंधन

मुरैना. शाबाश इंडिया। रक्षाबंधन के पर्व पर लायंस क्लब एलीट की ओर से झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले बच्चों के साथ खुशियां साझा कर सेवा और भाईचारे का संदेश दिया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य जरूरतमंद बच्चों को भी त्योहार की खुशियों से जोड़ना और उनके चेहरों पर मुस्कान लाना रहा। इस अवसर पर क्लब सदस्यों ने बच्चों के साथ समय बिताया और उन्हें नाश्ता कराया। बच्चों को मिठाई, समोसे, नमकीन, फल, टॉफी, बिस्किट सहित अन्य खाद्य सामग्री वितरित की गई। उपहार और खाद्य सामग्री पाकर बच्चों के चेहरों पर खुशी देखने को मिली। लायंस क्लब एलीट की अध्यक्ष अंजना शिवहरे ने कहा कि क्लब का प्रयास है कि समाज के हर वर्ग तक खुशियां पहुंचें और कोई भी बच्चा त्योहार की खुशी से वंचित न रहे। जरूरतमंद बच्चों के साथ रक्षाबंधन मनाना सेवा, प्रेम, अपनत्व और भाईचारे की भावना को मजबूत करने का माध्यम है। कार्यक्रम में सचिव अनुराधा गर्ग, कोषाध्यक्ष अंशुल गोलश, कंचन चावला, डॉ. शिवानी तोमर, अंजना गर्ग सहित क्लब के अन्य सदस्य मौजूद रहे। बच्चों के साथ बिताए गए समय ने रक्षाबंधन के पर्व को आत्मीय और यादगार बना दिया। क्लब के इस सेवा एवं मुस्कान के प्रयास की उपस्थिति लोगों ने सराहना की।

वैराग्य सूचना

अत्यंत दु:ख एवं शोक के साथ सूचित किया जाता है कि
स्मृतिशेष श्री हीरालाल समैया (मंत्री जी) के ज्येष्ठ पुत्र,
स्मृतिशेष
श्री नवीन कुमार जैन
अपनी सांसारिक यात्रा में अपने समस्त दायित्वों का निर्वहन कर, अपनी नश्वर देह का त्याग कर
बुधवार, २६ अगस्त २०२६
को मोक्ष की यात्रा पर प्रस्थान कर गए हैं।

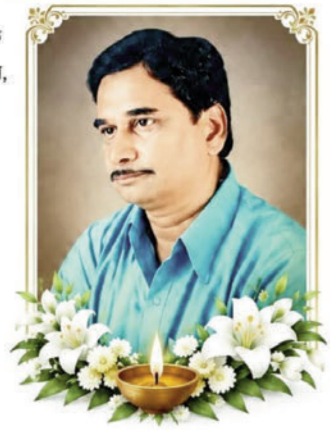

श्री जिनवाणी - देवदर्शन
श्री तारण-तारण दिगम्बर जैन चैत्यालय जी
प्रात: ८:३० बजे से

श्रद्धांजलि एवं पगड़ी रस्म
श्री दिगम्बर जैन मंदिर, संगम कॉलोनी, जबलपुर
प्रात: ११:०० बजे से

दिनांक — रविवार, ३० अगस्त २०२६

शोकाकुल
जवाहरलाल जैन — चाचा
प्रवीण जैन, आशीष जैन एवं डॉ. आलोक जैन, साधना पवन जैन — भाई
श्रीमती नंदा जैन — पत्नी
नितिन–रश्मि (राशी) जैन
अंकित–वर्षा जैन — पुत्र एवं पुत्रवधू
एवं समस्त शोकाकुल मंत्री जी परिवार

पीसी प्लेनेट, जबलपुर | कीगन सेफनेस प्रा. लि., इंदौर
Mo.9893037930,9893959692,9893074714
॥ ॐ शांति शांति ॐ ॥

समाज में धार्मिक एवं सामाजिक गतिविधियों को बढ़ावा देना है : शिखरचंद काला

खंडेलवाल सरावगी युवा परिषद का गठन, हर्षित संघी बने अध्यक्ष

निवाई. शाबाश इंडिया

आचार्य सुंदर सागर महाराज के मंगल आशीर्वाद से खंडेलवाल समाज के युवाओं को संगठित कर धर्म, समाज एवं साधु-संतों की सेवा के उद्देश्य से श्री दिगंबर जैन खंडेलवाल सरावगी युवा परिषद, निवाई का गठन किया गया। समाज के प्रचारक विमल जौला एवं राकेश संघी ने बताया कि युवा साथियों की बैठक में परिषद की कार्यकारिणी के गठन की प्रक्रिया आयोजित की गई। बैठक में 100 से अधिक युवाओं एवं समाजबंधुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। उन्होंने बताया कि निवाई की विभिन्न कॉलोनियों एवं मोहल्लों से लगभग प्रत्येक परिवार ने बैठक में उपस्थिति दर्ज करवाते हुए परिषद के गठन के प्रति समर्थन एवं सहभागिता जताई। उपस्थित सदस्यों की सहमति से कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से चयन किया गया। हर्षित संघी को अध्यक्ष, अजय सोगानी को उपाध्यक्ष, राजेश झांझरी को मंत्री, राहुल बोली को महामंत्री तथा ऋषभ कासलीवाल को कोषाध्यक्ष बनाया गया। हितेश छाबड़ा एवं अक्षय पांडया को मीडिया प्रभारी का दायित्व सौंपा गया। कार्यकारिणी में निवाई की विभिन्न कॉलोनियों एवं मोहल्लों से एक-एक सदस्य को शामिल किया गया। इनमें दीपक कासलीवाल, रवि छाबड़ा, चिराग टोंग्या, अक्षय कासलीवाल, दिनेश सोगानी, नितिन गोधा, पुनीत संघी, अशोक सेदरिया, सुशील बिलाला, त्रिलोक रजवास एवं रिंकू झांझरी शामिल हैं। परिषद का मुख्य उद्देश्य साधु-संतों की सेवा, उनके विहार की व्यवस्था, आहार एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं में सहयोग करना तथा समाज में धार्मिक एवं सामाजिक गतिविधियों को बढ़ावा देना है। परिषद के सदस्य साधु-संतों के आगमन एवं विहार के दौरान व्यवस्थाओं में सक्रिय सहयोग करेंगे और धर्म के प्रचार-प्रसार

तथा संस्कारों को आगे बढ़ाने के लिए कार्य करेंगे। सरावगी समाज के अध्यक्ष शिखरचंद काला, विमल जौला, राकेश संघी एवं कोषाध्यक्ष महावीर प्रसाद छाबड़ा ने नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि युवा शक्ति समाज की सबसे बड़ी ताकत है। युवाओं की एकजुटता और सेवा भावना से परिषद को सशक्त एवं आदर्श युवा मंच के रूप में विकसित किया जाएगा। मीडिया प्रभारी विमल जौला एवं राकेश संघी ने बताया कि परिषद के माध्यम से युवाओं को धर्म एवं समाज सेवा से जोड़ते हुए विभिन्न रचनात्मक एवं सेवा कार्यों को गति दी जाएगी। नवनिर्वाचित अध्यक्ष हर्षित संघी, मीडिया प्रभारी हितेश छाबड़ा एवं अक्षय पांडया सहित समस्त कार्यकारिणी सदस्यों को समाजबंधुओं ने बधाई देते हुए सफल एवं मंगलमय कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं।

कोटा में 5-6 सितंबर को नि :शुल्क जिला स्तरीय ताइक्वांडो ट्रायल

कोटा. शाबाश इंडिया। कोटा डिस्ट्रिक्ट ताइक्वांडो एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल कुमार ने बताया कि आगामी 5 एवं 6 सितंबर को कोटा में जिला स्तरीय ताइक्वांडो ट्रायल का आयोजन किया जाएगा। ट्रायल में सभी खिलाड़ियों के लिए प्रवेश नि:शुल्क रहेगा। ट्रायल में सब-जूनियर, कैडेट, जूनियर एवं सीनियर वर्ग की सभी भार श्रेणियों के खिलाड़ी भाग ले सकेंगे। खिलाड़ियों का रजिस्ट्रेशन श्रीनाथुराम स्टेडियम में किया जाएगा। रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया 2 सितंबर तक प्रतिदिन शाम 5 से 7 बजे तक चलेगी। रजिस्ट्रेशन के लिए खिलाड़ियों को आधार कार्ड एवं जन्म प्रमाण-पत्र साथ लाना अनिवार्य होगा। वहीं, 4 से 6 सितंबर तक रघुराई स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, नयापुरा, कोटा में ताइक्वांडो प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिता में राजस्थान ताइक्वांडो के जनरल सेक्रेटरी लक्ष्मण हाड़ा, कोटा जिला अध्यक्ष अनिल कुमार, राजस्थान जॉइंट सेक्रेटरी मोहित सिंह, कोटा सेक्रेटरी मनोज कुमार एवं अभिषेक कुमार सहित अनेक गणमान्य अतिथि एवं खेलप्रेमी मौजूद रहेंगे। अनिल कुमार ने बताया कि प्रतियोगिता का उद्देश्य खिलाड़ियों को बेहतर मंच उपलब्ध कराना तथा जिला स्तर पर प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करना है।

बीएसएफ जवानों के साथ उमंग महिला परिषद ने मनाया रक्षाबंधन, किया वृक्षारोपण

इंदौर. शाबाश इंडिया

अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन महिला परिषद की शाखा उमंग महिला परिषद की ओर से बीएसएफ कैंप में सैनिक भाइयों के साथ रक्षाबंधन उत्सव, वृक्षारोपण एवं टिफिन पार्टी का आयोजन किया गया। मीडिया प्रभारी रुचि चोविश्या जैन ने बताया कि परिषद की सदस्यों ने बीएसएफ जवानों की कलाई पर राखी बांधकर उनके प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त की। कई वर्षों से अपने घर नहीं जा पाने वाले जवानों के लिए यह अवसर भावुक कर देने वाला रहा। इस दौरान जवानों के साथ वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया। कार्यक्रम में देशभक्ति गीतों पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, खेल एवं तंबोला के साथ टिफिन पार्टी का आयोजन किया गया। संभाग अध्यक्ष मुक्ता जैन ने आयोजक परिषद की सदस्यों को बधाई देते हुए कहा कि इस प्रकार की गतिविधियों से अन्य शाखाओं को भी रचनात्मक आयोजन करने की प्रेरणा मिलती है। कार्यक्रम में संस्थापक अध्यक्ष हेमलता गोधा, संरक्षक नीता कासलीवाल, मीना बिलाला, दीपाली कासलीवाल, संभाग अध्यक्ष मुक्ता जैन, निर्मला जैन एवं अनिता जैन का मार्गदर्शन रहा। अध्यक्ष रिंकू अजमेरा एवं सचिव मोनिका कासलीवाल के नेतृत्व में आयोजन संपन्न हुआ। संचालन पूजा बाकलीवाल एवं नम्रता अजमेरा ने किया। समापन पर टिफिन पार्टी के साथ राष्ट्रप्रेम, सेवा और भाईचारे का संदेश दिया गया। **मीडिया प्रमुख : रुचि चोविश्या जैन**

मौत से वह डरता है जिसकी जिंदगी के बहीखाते गड़बड़ होते हैं : आचार्य पुलकसागर

जिंदगी में कुछ मिले न मिले, पर मृत्यु जरूर मिलेगी; मृत्यु को महोत्सव बना लो

ज्ञान गंगा महोत्सव में पुलक वाणी सुनने उमड़ रहे भीलवाड़ावासी

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

राष्ट्र संत मनोज्ञाचार्य पुलकसागर महाराज ने कहा कि जिसने इस सृष्टि में जन्म लिया है, उसकी मृत्यु अवश्यंभावी है। जिंदगी मौत की अमानत है, इसे संभालकर रखो। हमें पता होना चाहिए कि हमारे जीवन का उद्देश्य क्या है। बिना लक्ष्य के तो पशु भी जीया करते हैं। जिंदगी से मृत्यु का मूल्य वसूल करो। कई भवों तक तड़पने के बाद आत्मा को मानव चोला प्राप्त होता है। बुढ़ापे में मृत्यु नहीं सुधरने वाली, जवानी में जिंदगी को सुधार लो, मृत्यु अपने आप सुधर जाएगी। आचार्य पुलकसागर महाराज ने यह विचार भीलवाड़ा में पहली बार चातुर्मास कर रहे हैं। उन्होंने श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर ट्रस्ट, मेन सेक्टर, शास्त्रीनगर के तत्वावधान में सकल दिगंबर जैन समाज की ओर से चित्रकूटधाम में आयोजित ज्ञान गंगा महोत्सव में गुरुवार को प्रवचन के दौरान व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि जैसे हम जीएंगे, वैसी ही हमारी मृत्यु होगी। हम हंसकर जीएंगे तो मृत्यु महोत्सव बन जाएगी और रो-रोकर जीएंगे तो मृत्यु मातम बन जाएगी। कुछ लोग जीवन जीने की कला सिखाते हैं, लेकिन मैं मृत्यु को सार्थक बनाने की कला सिखाता हूं। मनुष्य जन्म में पद, प्रतिष्ठा, यश और धन मिल सकेगा या नहीं, इसकी कोई गारंटी नहीं है, लेकिन जिंदगी में कुछ मिले या न मिले, मृत्यु जरूर मिलेगी। दुनिया में अमर कोई नहीं है। राजा हो या रंक, सभी को एक दिन यहां से जाना है। आचार्यश्री ने कहा कि किसी की अर्थी देखकर यह नहीं कहना चाहिए कि वह चला गया, बल्कि यह सोचना चाहिए कि एक दिन मुझे भी इसी तरह जाना है। दुनिया में कहीं भी चले जाओ, मृत्यु से कोई नहीं बच सकता। मृत्यु न हो तो जिंदगी बोझ बन जाएगी। मृत्यु हमें अपने साथ ले जाकर उपकार करती है। मृत्यु मातम नहीं, महोत्सव है। मृत्यु के बाद ही आत्मा को नया शरीर प्राप्त होता है। इसलिए मृत्यु से डरो मत, बल्कि उसे महोत्सव बनाने का प्रयास करो। उन्होंने कहा कि मृत्यु को महोत्सव बनाना है तो जिंदगी में दुश्मनों की संख्या घटाते और दोस्तों की संख्या बढ़ाते चलो। दुकान के साथ जिंदगी के बहीखाते भी मिलाते चलो। सोने से पहले जिंदगी का हिसाब-किताब सुधार लो। मौत से वही डरता है, जिसके जिंदगी के बहीखाते गड़बड़ होते हैं। परनिंदा छोड़कर अपने भीतर झांकना शुरू करो। आचार्यश्री ने कहा कि जिंदगी एक किराए का घर है, जिसे एक दिन बदलना ही पड़ेगा। जीवनभर कितनी भी धन-संपदा जोड़ लें, लेकिन कफन में जेब नहीं होती। सब कुछ यहीं छूट जाएगा। खाली हाथ आए हैं और खाली हाथ ही जाना पड़ेगा। मरने के बाद केवल व्यक्ति का व्यवहार और चरित्र ही याद रहता है। इसलिए अपना व्यवहार ऐसा बनाओ कि किसी के दिल में छिपकर जिंदा रह सको।

प्रवचन से पूर्व दीप प्रज्ज्वलन, पाद प्रक्षालन एवं मंगलाचरण

प्रवचन से पूर्व दीप प्रज्ज्वलन, आचार्यश्री का पाद प्रक्षालन एवं शास्त्र भेंट का सौभाग्य श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर ट्रस्ट, शास्त्रीनगर के पदाधिकारियों तथा आचार्य पुलकसागर महाराज की सांसारिक बहन मंजूदेवी एवं बहनोई शिरीष जैन ने प्राप्त किया। दिगंबर जैन महासभा के अध्यक्ष सुनील जैन ने आचार्यश्री को श्रीफल समर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त किया। सौभाग्यशाली परिवारों एवं अतिथियों का स्वागत श्री पुलकसागर चातुर्मास समिति के अध्यक्ष प्रवीण चौधरी, संयोजक मनीष शाह, सह संयोजक लोकेश अजमेरा सहित अन्य पदाधिकारियों ने किया। शास्त्रीनगर बालिका मंडल की सदस्यों ने मंगलाचरण प्रस्तुत किया। संचालन चातुर्मास समिति के महामंत्री जयकुमार पाटनी ने किया। भीलवाड़ा शहर एवं आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु ज्ञान गंगा महोत्सव में शामिल होने चित्रकूटधाम पहुंचे।

रक्षाबंधन पर आज होगा विशेष आयोजन

ज्ञान गंगा महोत्सव के तहत आचार्य पुलकसागर महाराज ससंघ के सानिध्य में 28 अगस्त को रक्षाबंधन पर विशेष आयोजन किया जाएगा, जिसमें मुनि रक्षा का संकल्प लिया जाएगा। यह पर्व उन 700 मुनियों की रक्षा की स्मृति में मनाया जाएगा, जिन पर घोर उपसर्ग आया था। इस ऐतिहासिक प्रसंग को नाट्य प्रस्तुति के माध्यम से सजीव किया जाएगा। इस अवसर पर मुनियों के प्रति श्रद्धा निवेदित करते हुए मंत्रोच्चार के साथ 700 श्रीफल समर्पित किए जाएंगे। भव्य आयोजन के लिए श्री पुलकसागर चातुर्मास समिति की ओर से अध्यक्ष प्रवीण चौधरी के नेतृत्व में तैयारियां की गई हैं। ज्ञान गंगा महोत्सव के तहत 30 अगस्त तक प्रतिदिन सुबह 8:30 से 10 बजे तक चित्रकूटधाम में प्रवचन होंगे। शाम 7 से 8 बजे तक आनंद यात्रा एवं आरती का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें शहर के विभिन्न क्षेत्रों से श्रद्धालु शामिल हो रहे हैं।

निलेश कांठेड़:
मीडिया प्रभारी
श्री पुलकसागर चातुर्मास समिति, भीलवाड़ा

आध्यात्मिक पर्व से जीवन में परिवर्तन आता है

धार्मिक पर्वों का संबंध आत्मा से होता है : आचार्य वर्धमान सागरजी

सीकर. शाबाश इंडिया। प्रथमाचार्य श्री शांतिसागरजी महाराज की अक्षुण्ण मूल बाल ब्रह्मचारी पट्ट परंपरा के पंचम पट्टाधीश आचार्य श्री वर्धमान सागरजी महाराज 40 साधुओं सहित सीकर में विराजमान हैं। दिगंबर जैन समाज सीकर की ओर से 16 कारण भावना पर्व का शुभारंभ किया गया। श्रीजी के अभिषेक के बाद विशेष पूजन-अर्चना की गई। पारस भवन, दंग की नसिया स्थित आचार्य श्री धर्मसागर सभागृह में वात्सल्य वारिधि आचार्य श्री वर्धमान सागरजी महाराज ने प्रवचन देते हुए कहा कि चातुर्मास के दौरान अनेक पर्व आए और आगे भी विभिन्न पर्व आएंगे। इससे पूर्व गुरु पूर्णिमा, वीर शासन जयंती सहित अन्य पर्व मनाए गए। अब 16 कारण भावना पर्व प्रारंभ हुआ है। यह पर्व 32 दिनों का होता है और वर्ष में तीन बार भाद्रपद, चैत्र एवं माघ माह में आता है। आचार्यश्री ने कहा कि पर्वों का जीवन में विशेष महत्व होता है। आध्यात्मिक पर्वों से जीवन में परिवर्तन आता है। धार्मिक पर्वों का संबंध आत्मा से होता है। ये पर्व आत्मा पर लगे कर्मबंधनों को दूर करने का संदेश और प्रेरणा देते हैं। उन्होंने बताया कि 16 कारण भावनाओं में दर्शन विशुद्धि भावना, विनय संपन्नता, शीलव्रतेष्वनतीचार, अभीक्ष्ण ज्ञानोपयोग, संवेग, शक्तितस्त्याग, शक्तितस्तप, साधु समाधि, वैयावृत्य, अर्हद्भक्ति, आचार्यभक्ति, बहुश्रुतभक्ति, प्रवचनभक्ति, आवश्यकापरिहारिणी, मार्गप्रभावना एवं प्रवचन वात्सल्य भावना शामिल हैं। इन सभी भावनाओं पर प्रतिदिन संघ की ओर से उपदेश दिया जाएगा। आचार्यश्री ने कहा कि अभी दर्शन विशुद्धि भावना का श्रवण किया गया है। 16 कारण भावना की प्रवचनमाला में प्रथम दर्शन विशुद्धि भावना पर उन्होंने मंगल देशना दी। उन्होंने कहा कि पूर्णिमा पर मनाया जाने वाला वात्सल्य एवं रक्षाबंधन दिवस लौकिक राखी से कहीं अधिक आध्यात्मिक महत्व रखता है।

भावना से मन में शांति और शक्ति मिलती है : आर्यिका महायशमति

आचार्यश्री के प्रवचन से पूर्व आर्यिका श्री महायशमति माताजी ने कहा कि भावनाएं अनेक प्रकार की होती हैं, जिनमें वैराग्य भावना, 12 भावना, 16 कारण भावना एवं मेरी भावना प्रमुख हैं। भावना से मन में शांति और शक्ति प्राप्त होती है। जैन धर्म भाव प्रधान धर्म है। दर्शन विशुद्धि भावना की विवेचना करते हुए माताजी ने कहा कि दर्शन से अभिप्राय भगवान के दर्शन के साथ-साथ भगवान के प्रति श्रद्धा, प्रतीति और अंतर्दृष्टि से है। सच्चे देव, शास्त्र, गुरु एवं सात तत्त्वों पर श्रद्धान करने से दर्शन में विशुद्धि आती है। उन्होंने सम्यक दर्शन के आठ दोषों की विवेचना करते हुए कहा कि दृष्टि की निर्मलता ही सम्यक दर्शन है। दृष्टि में निर्मलता आने पर विशुद्धि होती है। दृष्टि बदलने से सृष्टि बदल जाती है।

भाई-बहन का 'स्नेहाकाश'

यहाँ कलाई पर धागा नहीं, विश्वास बँधता है,
भाई-बहन के रिश्ते में 'स्नेहाकाश' सजता है।
न रेशम की कीमत देखो, न थाली का श्रृंगार,
राखी तो बहाना है, रिश्ता है असली उपहार।

बहन की आँखों में स्नेह, भाई के मन में मान,
एक-दूसरे के सुख-दुःख में बनें मजबूत ढाल।
परंपरा तब ही सुंदर है, जब भावों से जुड़ी रहे,
संस्कारों की खुशबू 'पीढ़ी-दर-पीढ़ी' चली रहे।

बाजारों में राखी बिके है, रिश्ते न बिकने पाएँ,
त्यौहारों के चकाचौंध में अपने मूल्य न गँवाएँ।
धागा छोटा-सा होता है, बंधन तो होता महान,
रक्षाबंधन सिखाता, रिश्तों से बड़ा नहीं जहान।

संजय एम तराणेकर

जवास के प्राचीन आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में 30 अगस्त को होगा रक्षक देवी-देवता स्थापना एवं भूमि शिलान्यास महामहोत्सव

खेरवाड़ा. शाबाश इंडिया। तहसील क्षेत्र के जवास स्थित अतिप्राचीन एवं चमत्कारिक श्री 1008 आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में आगामी 30 अगस्त 2026, रविवार को रक्षक देवी-देवता स्थापना एवं भूमि शिलान्यास महामहोत्सव का आयोजन किया जाएगा। मंदिर से जुड़े श्रद्धालुओं एवं आयोजन समिति की ओर से ऐतिहासिक आयोजन की तैयारियां की जा रही हैं। जवास का आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर करीब 11वीं-12वीं सदी का प्राचीन मंदिर बताया जाता है। ऐतिहासिक मान्यताओं के अनुसार पूर्व में जवास में करीब 1300 जैन परिवारों की आबादी निवास करती थी। मंदिर की प्राचीन प्रतिमा के चमत्कारिक स्वरूप से जुड़ी मान्यता है कि वह चेल्यमान होकर हवा में विचरण करती थी। भट्टारक जी के शाप के कारण करीब 84 वर्षों तक यहां कोई जैन परिवार नहीं रहा। मंदिर का स्थापित समय वर्ष 2024 में समाप्त हुआ और इसके बाद मंदिर अपने दिव्य इतिहास, आस्था एवं महिमा के कारण पुनः चर्चा में आया। मंदिर के जीर्णोद्धार एवं विकास कार्यों के तहत पिछले वर्षों में विभिन्न कार्य किए गए हैं। वर्ष 2019 में मंदिर के जीर्णोद्धार की नींव रखी गई। इसके बाद मंदिर की रंगाई-पुताई, मूल स्वरूप में लाने, छत पर वायनिंग, प्रकाश व्यवस्था, नल एवं रंग-रोगन, मूल शिखर एवं गर्भगृह के कार्य सहित अन्य आवश्यक कार्य किए गए। वर्ष 2025 में जिनेन्द्र आराधना, ध्वजारोहण एवं नवनिर्माण महामहोत्सव का ऐतिहासिक आयोजन भी हुआ। आगामी महामहोत्सव के दौरान रक्षक देवी-देवताओं की स्थापना एवं भूमि शिलान्यास किया जाएगा। वर्ष 2026 की भविष्य की योजना के तहत मंदिर क्षेत्र का सतत विकास एवं संरक्षण, मंदिर के समीप भूमि क्रय कर उसके शिलान्यास सहित विभिन्न विकास कार्य प्रस्तावित हैं। आयोजन को आचार्य श्री 108 निर्भय सागर जी गुरुदेव, उपाध्याय श्री 108 शुभम सागर जी, मुनि श्री 108 सक्षम सागर जी, मुनि श्री 108 शैलेन्द्र जी गुरुदेव तथा आर्यिका गणिनी प्रमुख श्री 105 ज्ञानमती माताजी का पावन सान्निध्य एवं आशीर्वाद प्राप्त है।

गुदड़ी मंसूर खां जैन मंदिर में विधान के 15वें दिन उमड़ी श्रद्धा, श्री दिगंबर जैन शिक्षा समिति ने किया दीप प्रज्वलन

आगरा. शाबाश इंडिया। गुदड़ी मंसूर खां स्थित श्री शीतलनाथ दिगंबर जैन मंदिर में चल रहे 16 दिवसीय श्री शांतिनाथ महामंडल विधान के 15वें दिन धार्मिक अनुष्ठान श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ संपन्न हुए। सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ रही। भक्तों ने धार्मिक क्रियाओं में सहभागिता कर पुण्यार्जन किया और भगवान शांतिनाथ की आराधना की। कार्यक्रम के अंतर्गत दीप प्रज्वलन एवं चित्र अनावरण की श्रृंखला में श्री दिगंबर जैन शिक्षा समिति, हरीपर्वत की ओर से दीप प्रज्वलन की धार्मिक क्रिया संपन्न कराई गई। समिति के पदाधिकारियों, ट्रस्टियों, कार्यकारिणी सदस्यों एवं समाजबंधुओं ने श्रद्धापूर्वक सहभागिता करते हुए विधान की मंगल भावना की। इस अवसर पर श्री दिगंबर जैन शिक्षा समिति के अध्यक्ष एवं ट्रस्टी प्रदीप जैन पीएनसी, जितेंद्र जैन, मनीष जैन ठेकेदार, भोलानाथ जैन, विमलेश जैन, अखिल बरोलिया, अमित जैन, उप प्रबंधक रूपेश जैन तथा मंदिर मंत्री राकेश जैन पार्षद सहित अनेक समाजबंधु मौजूद रहे। जैन मिलन सखी, बेलनगंज की सदस्यों ने भी दीप प्रज्वलन की धार्मिक क्रिया में सहभागिता की। विधान में नरेश जैन, वीरेंद्र जैन, रविंद्र जैन, प्रमोद जैन, धर्मेंद्र जैन, धर्मेश जैन, मोहित जैन, सुभाष जैन सहित मंदिर एवं शिक्षा समिति से जुड़े पदाधिकारी उपस्थित रहे। वहीं उषा मार्शल, वंदना जैन, सुशीला जैन, शशि जैन, अल्पना जैन, विजय जैन, कुसुम जैन, सुनीता जैन एवं सुमन जैन सहित ज्ञान महिला मंडल की महिलाओं ने भी श्रद्धापूर्वक सहभागिता की। समाजबंधुओं ने आयोजन की सफलता के लिए सभी सहयोगियों की अनुमोदना करते हुए आभार व्यक्त किया। विधान के अंतिम चरण में पहुंचने के साथ ही मंदिर परिसर में श्रद्धा और भक्ति का उत्साह और बढ़ता जा रहा है।

आचार्य श्री कुमुदनंदीजी महाराज का 63वां अवतरण दिवस श्रद्धा एवं हर्षोल्लास से मनाया

इंदौर. शाबाश इंडिया

अंजनी नगर स्थित श्री चंद्रप्रभु मांगलिक भवन में पूज्य आचार्य श्री कुमुदनंदीजी महाराज का 63वां अवतरण दिवस श्रद्धा, भव्यता और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में शहर में पहली बार पांच संघों के साधु-साध्वियां एक मंच पर विराजित हुए। दिगंबर जैन समाज सामाजिक संसद के प्रचार प्रमुख सतीश जैन ने बताया कि आचार्य श्री विप्रणत सागरजी महाराज गुमास्ता नगर, मुनि श्री साध्य सागरजी महाराज 20 पंथी मंदिर, मल्हारगंज, मुनि श्री आचरण सागरजी महाराज स्मृति नगर तथा आचार्य सिद्धांत सागरजी महाराज (बेला वालों) के संघ से आर्यिका माताजी एवं क्षुल्लकजी सुदामा नगर से विहार कर कालानी नगर चौराहे पर पहुंचे। यहां सभी संतों का आपस में वात्सल्यपूर्ण मिलन हुआ। संतों को एक साथ देखकर श्रावक भावुक हो उठे। इसके बाद सभी संत श्री चंद्रप्रभु मांगलिक भवन, अंजनी नगर पहुंचे। मार्ग में श्रद्धालुओं ने उनकी आरती उतारी और पाद प्रक्षालन किया। कार्यक्रम का आयोजन श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर पंचायती ट्रस्ट, अंजनी नगर एवं दिगंबर जैन समाज सामाजिक संसद, इंदौर के तत्वावधान में किया गया। श्रीमती अनिता जैन एवं मेघा जैन के मंगलाचरण के बाद आचार्य श्री कुंथुसागरजी महाराज के चित्र के समक्ष कैलाश वेद, देवेंद्र सोगानी, कमलेश कासलीवाल, जैनेश झांझरी, पिंकेश टोंग्या, सतीश जैन, वीरेंद्र बढ़जात्या, पवन पाटोदी आदि ने दीप प्रज्वलित किया। पाद प्रक्षालन का सौभाग्य सोनीपत से पधारे विनोदजी-सरिताजी जैन के परिवार को प्राप्त हुआ। वहीं 63 श्रद्धालुओं ने आचार्य श्री कुमुदनंदीजी महाराज को 63 शास्त्र भेंट किए। उपस्थित सभी साधु-साध्वियों ने आचार्यश्री को विनयांजलि अर्पित की। इस अवसर पर आचार्य श्री विप्रणत सागरजी महाराज ने कहा कि भगवान का जन्म कल्याणक मनाया जाता है, जबकि संसारी प्राणी की मृत्यु होती है। आचार्य श्री कुमुदनंदीजी महाराज ने कहा कि एक मंच पर पांच संघों के साधु-साध्वियों का विराजमान होना इससे बड़ी धर्म प्रभावना और क्या हो सकती है। पहले हम सभी साधु एक मंच पर आएं, फिर समाज से कहें कि आप सभी एक हो जाएं। उन्होंने श्री देवेंद्र सोगानी के नेतृत्व में अंजनी नगर की कमेटी द्वारा किए गए आयोजन की सराहना करते हुए आशीर्वाद दिया। आचार्यश्री ने कहा कि धन से पुस्तकें खरीदी जा सकती हैं, लेकिन विद्या नहीं; मंदिर-मस्जिद बनाए जा सकते हैं, लेकिन धर्म नहीं; यश मिल सकता है, लेकिन विजय नहीं; भोग मिल सकता है, लेकिन मोक्ष नहीं। उन्होंने कहा कि सभी लोग उनके अवतरण दिवस के लिए नहीं, बल्कि धर्म प्रभावना के लिए एकत्रित हुए हैं। कार्यक्रम में समाजश्रेष्ठी अशोक टोंग्या, प्रदीप बढ़जात्या, दिलीप लुहाड़िया, चंद्र कुमार गोधा, अक्षय काला, हेमंत गदिया, कमल रावका सहित बड़ी संख्या में समाजजन मौजूद रहे। धर्मसभा का संचालन पंडित योगेंद्र काला ने किया, जबकि आभार ऋषभ पाटनी ने व्यक्त किया।

सतीश जैन (इला बैंक) प्रचार प्रमुख
दिगंबर जैन समाज, सामाजिक संसद, इंदौर

अयोध्या में गणिनीप्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी के सान्निध्य में मनाया गया डॉ. जीवन प्रकाश जैन का 49वां जन्मदिवस

अयोध्या. शाबाश इंडिया

अयोध्या में गणिनीप्रमुख श्री 105 ज्ञानमती माताजी के पावन सान्निध्य एवं आर्यिका श्री 105 चंदनामती माताजी के आशीर्वाद से अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन युवा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. जीवन प्रकाश जैन का 49वां जन्मदिवस मनाया गया। इस अवसर पर गणिनी प्रमुख आर्यिका शिरोमणि श्री 105 ज्ञानमती माताजी ने उन्हें शास्त्र भेंट कर आशीर्वाद प्रदान किया। पीठाधीश रवींद्रकीर्ति स्वामीजी एवं बाल ब्रह्मचारी विजय कुमार जैन ने माला पहनाकर आदिनाथ स्वामीजी का चित्र एवं शास्त्र भेंट किया। डॉ. जीवन प्रकाश जैन का जन्म 26 अगस्त 1978 को भोपाल में एक धार्मिक परिवार में हुआ। भक्तामर स्तोत्र की उद्गम भूमि धार स्थित मानतुंगगिरि दिगम्बर जैन अतिशय तीर्थ क्षेत्र की निर्देशिका एवं गुजरात संत केसरी आचार्य श्री भरतसागर जी महाराज की शिष्या क्षुल्लिका श्री चंद्रमती माताजी उनकी गृहस्थ बहन हैं। उन्होंने भी डॉ. जीवन प्रकाश जैन को जन्मदिवस पर आशीर्वाद प्रदान किया। उनके भाई-बहन श्री दीपक-रचना जैन एवं सोनू-संजय जैन ने भी जन्मदिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। युवा परिषद कोल्हापुर की अध्यक्षा स्नेहलता कापसे, रेश्मा शाह, कार्याध्यक्ष श्री अभिषेक पाटील, अभिषेक सवदत्ती, सौरभ गाट तथा बुंदेलखंड से अंकित जैन सहित अनेक पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने डॉ. जीवन प्रकाश जैन को जन्मदिवस की बधाई दी। अयोध्या पहुंचकर जन्मदिवस की बधाई देते हुए युवा परिषद के निदेशक जैन ने कहा कि अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन युवा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष, जैन समाज की प्राचीनतम दीक्षित सर्वोच्च जैन साध्वी गणिनीप्रमुख श्री 105 ज्ञानमती माताजी, प्रज्ञाश्रमणी आर्यिका श्री 105 चंदनामती माताजी एवं जगद्गुरु पीठाधीश स्वस्ति श्री रवींद्रकीर्ति स्वामीजी के प्रिय शिष्य, युवारत्न एवं युवाओं के प्रेरणास्रोत डॉ. जीवन प्रकाश जैन ने अमेरिका सहित विभिन्न देशों में जाकर जैन धर्म का प्रचार-प्रसार किया है तथा जैन धर्म की कीर्ति पताका फहराई है। उन्होंने डॉ. जीवन प्रकाश जैन को अवतरण दिवस की हार्दिक बधाई एवं मंगलमय शुभकामनाएं प्रेषित कीं। इस अवसर पर भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी, श्री दिगम्बर जैन ग्लोबल महासभा, तीर्थंकर ऋषभदेव जैन विद्वत महासंघ एवं युवा परिषद बुंदेलखंड सहित विभिन्न संस्थाओं एवं संगठनों की ओर से भी डॉ. जीवन प्रकाश जैन को जन्मदिवस की शुभकामनाएं दी गईं।

लम्बेगो: कमर के निचले हिस्से के दर्द को समझें

लम्बेगो कमर के निचले हिस्से में होने वाले दर्द के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला सामान्य शब्द है। इसमें कमर की मांसपेशियों, लिगामेंट, जोड़ों, रीढ़ या डिस्क से संबंधित समस्या के कारण दर्द और जकड़न हो सकती है। यह दर्द अचानक शुरू हो सकता है या धीरे-धीरे विकसित हो सकता है। कभी-कभी इसमें बहुत तेज दर्द भी हो सकता है।

प्रमुख लक्षण

कमर के निचले हिस्से में दर्द या भारीपन महसूस होना। कमर में जकड़न, विशेषकर सुबह उठते समय अधिक जकड़न महसूस होना। झुकने, उठने-बैठने या लंबे समय तक खड़े रहने पर दर्द बढ़ना। कमर की मांसपेशियों में खिंचाव या अकड़न होना। नस पर दबाव होने की स्थिति में दर्द का नितंब या पैर की ओर जाना। चलने-फिरने में परेशानी होना। कभी-कभी खांसने या छींकने पर दर्द बढ़ जाना। कब तुरंत चिकित्सकीय जांच जरूरी है? यदि कमर दर्द के साथ पैर में बढ़ती हुई कमजोरी या सुन्नपन, पेशाब या मल पर नियंत्रण में बदलाव अथवा जननांग और गुदा के आसपास संवेदना कम होने जैसी समस्या हो, तो तुरंत चिकित्सकीय जांच करानी चाहिए। ऐसी स्थिति में विशेषज्ञ चिकित्सक से संपर्क करना आवश्यक है।

प्रमुख कारण

गलत तरीके से वजन उठाना। कमर की मांसपेशियों में खिंचाव। लंबे समय तक गलत मुद्रा में बैठे रहना। लगातार बैठकर काम करना। अचानक अत्यधिक व्यायाम या शारीरिक श्रम करना। रीढ़ की डिस्क में समस्या होना। उम्र बढ़ने के साथ रीढ़ में होने वाला घिसाव। स्पाइनल स्टेनोसिस या रीढ़ से संबंधित अन्य समस्याएं। चोट, संक्रमण या कभी-कभी अन्य गंभीर बीमारी।

लम्बेगो के प्रकार

1. **एक्यूट लम्बेगो :** अचानक शुरू होने वाला कमर दर्द, जो सामान्यतः कुछ दिनों से कुछ सप्ताह तक रह सकता है। 2. **सब-एक्यूट लम्बेगो :** कई सप्ताह तक बना रहने वाला कमर दर्द। 3. **क्रोनिक लम्बेगो :** लंबे समय तक रहने वाला या बार-बार होने वाला कमर दर्द। 4. **मैकेनिकल लम्बेगो :** गतिविधि, मुद्रा अथवा मांसपेशियों और जोड़ों से संबंधित समस्या के कारण होने वाला दर्द। 5. **साइटिका से जुड़ा दर्द :** कमर से नितंब और पैर की ओर जाने वाला दर्द, जो नस पर दबाव पड़ने के कारण हो सकता है।

सावधानी और बचाव

वजन उठाते समय घुटनों को मोड़ें और वजन को शरीर के पास रखकर उठाएं। लंबे समय तक लगातार बैठने से बचें। बीच-बीच में उठकर चलें-फिरें। बैठते समय कमर को उचित सहारा दें और सही मुद्रा बनाए रखें। नियमित रूप से हल्की शारीरिक गतिविधि करें तथा चिकित्सक या फिजियोथेरेपिस्ट द्वारा बताए गए व्यायाम करें। अचानक भारी व्यायाम या अत्यधिक शारीरिक श्रम न करें। पर्याप्त नींद लें और कार्य करते समय उचित मुद्रा बनाए रखें। यदि कोई गंभीर कारण नहीं है, तो दर्द के दौरान लंबे समय तक पूर्ण बेड-रेस्ट करने के बजाय सहन होने वाली हल्की गतिविधि बनाए रखना सामान्यतः बेहतर माना जाता है। **होम्योपैथिक उपचार के बारे में:** होम्योपैथी में रस टॉक्स, ब्रायोनिया, आर्निका, मैग फॉस, नेफेलियम और कोलोसिन्थ जैसी दवाओं का कमर दर्द के संदर्भ में उपयोग किया जाता है। हालांकि, किसी भी दवा का चयन व्यक्ति के लक्षणों और चिकित्सकीय मूल्यांकन के आधार पर ही किया जाना चाहिए। महत्वपूर्ण बात यह है कि कमर दर्द में किसी उपचार से अस्थायी आराम मिल सकता है, लेकिन यदि दर्द के पीछे कोई गंभीर कारण है तो विशेषज्ञ चिकित्सक से जांच कराना आवश्यक है। होम्योपैथिक उपचार को प्रमाणित चिकित्सा का विकल्प मानकर आवश्यक चिकित्सकीय जांच, फिजियोथेरेपी या चिकित्सक द्वारा सुझाए गए उपचार में देरी नहीं करनी चाहिए। यदि कमर का दर्द 1-2 सप्ताह में ठीक न हो, बार-बार हो, पैर की ओर फैलता हो या बहुत तेज हो, तो चिकित्सक से जांच कराना उचित है। लक्षणों के आधार पर चिकित्सक न्यूरोलॉजिकल जांच तथा आवश्यकता होने पर एमआरआई जैसी जांच की सलाह दे सकते हैं।

-एम एल जैन (मणि)

एम्बिशन किड्स एकेडमी में ''राखी फॉर ट्रीज'' एवं पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया

सांगानेर स्थित एम्बिशन किड्स एकेडमी में रक्षाबंधन के पावन अवसर पर ''राखी फॉर ट्रीज'' एवं पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन उत्साह, हर्षोल्लास एवं पर्यावरण संरक्षण की भावना के साथ किया गया। इस वर्ष कार्यक्रम की मुख्य थीम ''प्रकृति को राखी–पेड़ों की रक्षा का संकल्प'' रही। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के चेयरमैन डॉ. एम. एल. जैन ''मणि'' एवं डॉ. शांति जैन ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। इसके पश्चात विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. अलका जैन ने विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों को संबोधित करते हुए कार्यक्रम की थीम के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन केवल भाई-बहन के पवित्र रिश्ते का पर्व नहीं है, बल्कि यह प्रकृति, पेड़ों एवं पर्यावरण की रक्षा का संदेश देने का अवसर भी है। उन्होंने सभी को प्रकृति संरक्षण का संकल्प लेने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय की उप-प्रधानाचार्या श्रीमती अनीता जैन ने कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। विद्यार्थियों ने पौधारोपण, पौधों को पर्यावरण अनुकूल राखी बांधने, पर्यावरण संरक्षण संबंधी नारे लिखने, राखी गीत एवं प्रकृति कविता प्रस्तुत करने, ''राखी फॉर ट्रीज'' विषय पर लघु नाटिका मंचित करने तथा पौधों के साथ समूह छायाचित्र लेने जैसी गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों में प्रकृति के प्रति प्रेम, जिम्मेदारी एवं पर्यावरण संरक्षण की भावना विकसित करने का

संदेश दिया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने सामूहिक रूप से संकल्प लिया कि वे पेड़ों की रक्षा करेंगे, उनकी नियमित देखभाल करेंगे तथा विद्यालय परिसर को हरा-भरा एवं स्वच्छ बनाए रखने में अपना योगदान देंगे। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के निदेशक डॉ. मनीष जैन ने सफल आयोजन के लिए सभी विद्यार्थियों, अभिभावकों, शिक्षकों एवं विद्यालय परिवार का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन बच्चों को प्रकृति के प्रति संवेदनशील बनने के साथ-साथ जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा देते हैं। कार्यक्रम का समापन ''एक राखी पेड़ों के नाम–सुरक्षित रहे हमारा पर्यावरण'' के संदेश के साथ हुआ।

बहन की राखी, भाई का संकल्प

रक्षाबंधन केवल भाई की कलाई पर बंधा एक धागा नहीं है, बल्कि यह प्रेम, विश्वास, स्नेह और जिम्मेदारी का पवित्र प्रतीक है। राखी के इस छोटे-से धागे में भाई-बहन के बचपन की अनगिनत यादें, एक-दूसरे के प्रति अपनापन और जीवनभर साथ निभाने की भावना जुड़ी होती है। बहन जब भाई की कलाई पर राखी बांधती है तो उसके मन में केवल भाई की लंबी उम्र और सुख-समृद्धि की कामना नहीं होती, बल्कि उसके जीवन में खुशियों, सफलता और उज्ज्वल भविष्य की प्रार्थना भी होती है। भाई भी राखी बंधवाते समय अपनी बहन की रक्षा, सम्मान और हर परिस्थिति में उसके साथ खड़े रहने का संकल्प लेता है। लेकिन आज के समय में 'रक्षा' का अर्थ केवल बहन को कठिनाइयों से बचाना नहीं होना चाहिए। भाई का सच्चा संकल्प यह भी होना चाहिए कि वह अपनी बहन के सपनों का सम्मान करेगा, उसकी स्वतंत्रता और निर्णयों का आदर करेगा तथा जीवन के हर मोड़ पर उसका सहयोगी बनेगा। बहन भी भाई के सुख-दुःख में उसका संबल बने—यही इस रिश्ते की वास्तविक सुंदरता है। बचपन में भाई-बहन छोटी-छोटी बातों पर लड़ते हैं, एक-दूसरे की शिकायत करते हैं और फिर कुछ ही देर में साथ खेलने लगते हैं। यही नोकझोंक आगे चलकर जीवन की सबसे प्यारी यादें बन जाती हैं। समय बीतता है, दोनों अपने-अपने जीवन में व्यस्त हो जाते हैं और कई बार दूर शहरों में रहने लगते हैं, लेकिन राखी का त्योहार इन दूरियों को भावनाओं के धागे से फिर जोड़ देता है। रक्षाबंधन हमें यह भी याद दिलाता है कि रिश्ते केवल त्योहारों पर निभाने के लिए नहीं होते। बहन की राखी भाई को वर्षभर यह एहसास कराती रहे कि बहन को जब भी उसकी जरूरत हो, वह उसके साथ खड़ा रहे। इसी तरह बहन का स्नेह और विश्वास भी भाई के जीवन में आत्मीयता और संबल का आधार बना रहे। आज जब परिवार छोटे होते जा रहे हैं और जीवन की व्यस्तता लगातार बढ़ रही है, तब ऐसे त्योहारों का महत्व और भी बढ़ जाता है। रक्षाबंधन हमें रिश्तों के प्रति संवेदनशील होने, एक-दूसरे की भावनाओं को समझने और परिवार को प्रेम के सूत्र में बांधे रखने का संदेश देता है। सच्चे अर्थों में राखी तभी सार्थक है, जब भाई केवल कलाई पर धागा न बंधवाए, बल्कि अपने हृदय में एक संकल्प भी बांधे ''मैं अपनी बहन का सम्मान करूंगा, उसके सुख-दुःख में साथ दूंगा, उसके सपनों को प्रोत्साहित करूंगा और जीवनभर हमारे इस पवित्र रिश्ते की गरिमा बनाए रखूंगा।'' राखी का धागा छोटा जरूर है, लेकिन इसमें भावनाओं का पूरा संसार समाया है। यह हमें याद दिलाता है कि दुनिया में कितने भी रिश्ते क्यों न हों, भाई-बहन का रिश्ता अपनेपन, विश्वास और बचपन की मासूम यादों से बना एक अनमोल रिश्ता है। बहन की कलाई पर बंधी राखी भाई के लिए केवल प्रेम का प्रतीक नहीं, बल्कि जीवनभर निभाए जाने वाले एक सुंदर संकल्प की याद है। यही रक्षाबंधन की सच्ची भावना है।

-अनिल माथुर: ज्वाला-विहार, जोधपुर

पूर्वाचार्यों के प्रति श्रद्धा एवं भक्तामर के नवम काव्य का भावपूर्ण विवेचन

किशनगढ़. शाबाश इंडिया

आर.के. कम्युनिटी सेंटर में आचार्य श्री 108 विहर्ष सागर जी महाराज ससंघ के सान्निध्य में आयोजित धर्मसभा में पूर्वाचार्यों के प्रति श्रद्धा एवं विनय भाव प्रकट किया गया। इस अवसर पर आचार्य श्री 108 वर्धमान सागर जी महाराज, आचार्य श्री 108 विराग सागर जी महाराज एवं आचार्य श्री 108 विशुद्ध सागर जी महाराज के चित्रों का अनावरण किया गया। चित्रों का अनावरण करने का सौभाग्य कैलाश चंद काला, सूखानन्द पाटनी, अशोक जैन, प्रकाशचंद पाटनी एवं अजीत बगड़ा को प्राप्त हुआ। इस अवसर पर पूर्वाचार्यों के चरणों में अर्घ्य समर्पित किए गए तथा शास्त्र भेंट किए गए। मंच संचालन बसंत बैद ने किया, जबकि मंगलाचरण रजनी बड़जात्या ने प्रस्तुत किया।

गुरु की संगति से मिलता है ज्ञान

उपाध्याय श्री 108 विजयेश सागर जी महाराज ने प्रवचन में आचार्य वीरसेन महाराज द्वारा रचित धवला ग्रंथ का उल्लेख करते हुए गुरु-शिष्य परंपरा के महत्व को समझाया। उन्होंने कहा कि जब कोई शिष्य गुरु के सान्निध्य में रहकर अध्ययन करता है तो वह केवल पुस्तकीय ज्ञान ही प्राप्त नहीं करता, बल्कि गुरु की चर्या, सेवा, व्यवहार एवं वार्तालाप से भी बहुत कुछ सीखता है। उन्होंने कहा कि गुरु शिष्य को ज्ञान प्रदान करते हैं, लेकिन शिष्य गुरु की दिनचर्या एवं आचरण को देखकर भी बहुत कुछ सीखता है। गुरु के साथ अधिक समय बिताने, उनकी सेवा करने और उनकी संगति में रहने से शिष्य के जीवन में संस्कार एवं ज्ञान का विकास होता है। इसलिए जब भी अवसर मिले, गुरु की संगति में रहकर उनसे सीखने का प्रयास करना चाहिए।

भक्तामर स्तोत्र के नवम काव्य का भावपूर्ण विवेचन

आचार्य श्री 108 विहर्ष सागर जी महाराज ने भक्तामर स्तोत्र के नवम काव्य का भावपूर्ण विवेचन करते हुए कहा कि प्रभु की स्तुति एवं उनके पवित्र गुणों का स्मरण आत्मा को शुद्धता, शांति एवं ज्ञान की ओर ले जाता है। जिस प्रकार सूर्य की किरणें दूर रहकर भी कमलों को विकसित कर देती हैं, उसी प्रकार प्रभु की महिमा का स्मरण जीव के भीतर सकारात्मक परिवर्तन लाता है। उन्होंने कहा कि घर का वातावरण परिवार के प्रत्येक सदस्य के जीवन को प्रभावित करता है। इसलिए घर में प्रसन्नता, संस्कार एवं सकारात्मक वातावरण बनाए रखना चाहिए। माता-पिता की सेवा करने तथा परिवार में प्रेम एवं सद्भाव बनाए रखने पर भी उन्होंने विशेष जोर दिया। महाराज ने कहा कि बिना योग्यता के नौकरी प्राप्त नहीं होती और बिना योग्यता के व्यापार भी सफल नहीं होता, तो फिर बिना योग्यता के चमत्कार की अपेक्षा कैसे की जा सकती है। उन्होंने साधना, सदाचार एवं आत्मविश्वास को जीवन में उतारने की प्रेरणा देते हुए कहा कि वास्तविक चमत्कार हमारे अपने पुरुषार्थ एवं आचरण में छिपा है। परम पूज्य आचार्य श्री 108 विहर्ष सागर जी महाराज ससंघ के मंगल सान्निध्य में श्री रक्षाबंधन विधान का भव्य आयोजन किया जाएगा। रक्षाबंधन पर्व के पावन अवसर पर देवाधिदेव श्री 1008 श्रेयांशनाथ भगवान के मोक्ष कल्याणक महोत्सव के उपलक्ष्य में निर्वाण लड्डू श्री सम्मेद शिखर जी की भव्य रचना पर श्रद्धापूर्वक अर्पित किया जाएगा। श्रद्धालुओं से इस पावन अवसर पर विधान में सम्मिलित होकर धर्मलाभ एवं पुण्यार्जन करने का आह्वान किया गया।

रक्षाबंधन पर राखी सजाओ प्रतियोगिता

रक्षाबंधन पर्व के पावन अवसर पर राखी सजाओ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें 30 प्रतिभागियों ने उत्साह एवं उमंग के साथ भाग लिया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट राखी सजाने वाले प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। सभी प्रतिभागियों का उत्साह एवं सहभागिता सराहनीय रही।

अभिषेक एवं शांतिधारा का सौभाग्य

आर.के. कम्युनिटी सेंटर स्थित अस्थायी चैत्यालय में विराजमान श्री आदिनाथ भगवान, श्री पार्श्वनाथ भगवान एवं श्री महावीर स्वामी के अभिषेक एवं शांतिधारा का सौभाग्य श्री चुन्नादेवी, योगेशजी-डिम्पलजी, अजीतजी-सीमाजी, जयेशजी-आदविकजी, कीर्तिजी एवं तनुजी गदिया (बीर वाले) परिवार को श्री योगेशजी गदिया के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में प्राप्त हुआ। परिवारजनों ने श्रद्धापूर्वक अभिषेक एवं शांतिधारा कर धर्मलाभ प्राप्त किया।